RESEARCH PAPER | Agricultural Science | Volume : 5 | Issue : 11 | November 2015 | ISSN - 2249-555X

कृषि कार्यों सम्बन्धी निर्णय–प्रक्रिया (क्मबपेपवद . डांपदह)में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी

KEYWORDS

Sunita Beniwal

ABSTRACT महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निर्णय–प्रक्रिया में उनका योगदान एक महत्वपूर्ण कारक है। अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका को केवल कार्य में भागीदारी (च्तंजपबपचंजपवद) के रूप में ही नहीं बल्कि निर्णय–प्रक्रिया (क्मबपेपवद . डांपदह) में इनके योगदान के सम्बन्ध में भी देखा जाना चाहिए। कृषि निर्णय–प्रक्रिया में पुरूषों की भूमिका प्रायः निर्णायक एवं प्रमुख है। प्रथम दृष्टि में पुरूष ही इन निर्णयों के जिम्मेवार लगते हैं। परन्तु महिलाओं के दृष्टिकोण और विचार बहुधा इन निर्णयों को काफी प्रभावित करते हैं।

Wilkening and Bhardwag (1966)] अमेरिका के विसकोनसिन में कृषि परिवारों में पति–पत्नी की कार्य भूमिका एवं निर्णय–प्रक्रिया संरचना का विश्लेषण किया व बताया कि कृषि निर्णयों में पति की प्रवृत्ति प्रभुत्वकारी होती है जैसे – कितनी मात्रा में उर्वरकों की खरीद की जाएँ, फसल की नयी किस्म का प्रयोग, मशीनरी की खरीद, वानिकी, ब्रिकी आदि। जबकि भूमि की खरीद, कृषि उपकरणों एवं भूमि की खरीद के लिए धन उधार लेने में पति–पत्नी सम्मिलित रूप से निर्णय करते हैं। Saver (1973), कनाडा में सामान्यतः कृषि क्षेत्र में कार्यरत पत्नियाँ निर्णयों में भागीदारी निभाती है एवं निर्णय सापेक्ष रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। कृषि के लिए उधार लेने, भूमि किराये पर देने एवं खरीदने, नयी फसल बोने सम्बन्धी निर्णयों में पति एवं पत्नी दोनों सम्मिलित रूप से निर्णय लेते हैं। Pala (1978), केन्या में महिलाओं की कृषि कार्यों में भागीदारी, निर्णय–प्रक्रिया में भूमिका तथा उनकी भूमि तक पहुँच का विश्लेषण किया एवं पाया कि कृषि एवं पारिवा. रिक स्तर के निर्णय जैसे – भूमि की खरीद सम्बन्धी निर्णय पुरूष लेते हैं जब कि भूमि के उपयोग का निर्णय महिलाऐं करती हैं। बैंातंअंतजल ंदक बैंातंअंतजल ;1996द्ध, भारत एवं नीदरलैण्ड के तुलनात्मक अध्ययन में कृषि महिलाओं के योगदान का विश्लेषण किया एवं निष्कर्ष निकाला कि दोनों ही देशों में छोटे आकार के खेतों सम्बन्धी निर्णयों में महिलाऐं अधिक योगदान देती हैं। जबकि बड़े आकार के खेतों सम्बन्धी निर्णयों की जिम्मेदारी पुरूषों की होती है।

Kahlon and Brar (1967), लुधियाना जिले की पखोवल तहसील का अध्ययन किया एवं पाया कि कृषि निर्णयों का 1/4 भाग किसान एवं उनकी पत्नियाँ दोनों मिलकर करते हैं। Sharma and Singh (1970)] मध्यप्रदेश के जबलपुर में कृषि परिवारों की निर्णय–प्रक्रिया संरचना का अध्ययन किया एवं पाया कि बीज भण्डारण, पशुओं की देखभाल, बीजों का चुनाव और उत्पादन की बिक्री सम्बन्धी निर्णय पति एवं पत्नी सम्मिलित रूप से लेते हैं। पति अकेले उर्वरकों एवं खाद के उपयोग सम्बन्धी निर्णय करते हैं। आयु, शिक्षा, जाति, परिवार की संरचना एवं शहरी सम्पर्क निर्णय–प्रक्रिया में भागीदारी की सीमा को प्रभावित नहीं करते जब कि सामाजिक सहभागिता एवं भूमि का आकार सार्थक रूप से निर्णय–प्रक्रिया में योगदान को प्रभावित करते हैं। Ajit Kumar Singh and

Prtap Singh Garia (1993), उत्तरप्रदेश के चामोली और अलमोड़ा जिलों के छः गाँवों के सर्वेक्षण से बताया कि महिलाऐं कृषि कार्यो का 4/5 भाग सम्पन्न करती है। जबकि कृषि निर्णयों में 1/3 क्षेत्रों में ही इनका निर्णय स्वीकार किया जाता है। बीजों के चुनाव (29:) कृषि उपकरणों की खरीद (30:) एवं पशुओं की खरीद एवं बिक्री (34:) निर्णयों में महिलाओं का अधिक योगदान पाया गया। फिर भी भूमि की खरीद, कृषि वित्त, उत्पाद की बिक्री, उर्वरकों के प्रयोग निर्णयों में पुरूष सदस्यों का अधिक योगदान पाया गया।

Raj Kishor, Bhawana Gupta, S.R. Yadav and T.R. Singh (1997-98)] उत्तरप्रदेश राज्य के सीतापुर जिले के 12 गाँवों का अध्ययन किया एवं पाया कि कृषि निर्णय–प्रक्रिया में महिलाऐं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निर्णय–प्रक्रिया को विभिन्न तत्व–आयु, शिक्षा–स्तर, परिवार का आकार, जाति, जोतों का आकार, सामाजार्थिक स्थिति आदि प्रभावित करते हैं। Gaur (1990), दक्षिणी–पूर्वी राजस्थान के चयनित गाँवों का अध्ययन किया एवं पाया कि उन्नत बीजों के चुनाव निर्णयों में पुरूषों की प्रभुत्वक. ारी भूमिका, जबकि महिलाऐं फसल बोने के स्थान एवं नयी फसल बोने में सहायक भूमिका अदा करती हैं। दूध एवं दूध से बने पदार्थों की बिक्री से सम्बन्धित निर्णय कृषि श्रमिक अकेले लेती हैं।

III अध्ययन पद्धति

अध्ययन कार्य राजस्थान राज्य के टोंक जिले से सम्बन्धित है तथा प्राथमिक आँकड़ों पर आधारित है। आँकड़ों के संकलन के लिए अनुसूची प्रविधि का प्रयोग किया गया। आँकड़ों का संकलन अनुसन्धान क्षेत्र में जाकर उत्तरदाताओं से प्रत्यक्ष सम्पर्क करके किया गया। सर्वेक्षण की समयावधि 2006–07 के मध्य की रही।

सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए सम्बन्धित चरों की प्रकृति के आधार पर कृषि कार्यों सम्बन्धी निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी के लिए स्वहपज डवकमस प्रयुक्त किया है। क्यों कि आश्रित चर गुणात्मक प्रकृति का है। स्वहपज डवकमस से प्राप्त परिणामों की सार्थकता जाँच का विभिन्न सार्थकता–स्तरों (1:ए 5:ए 10:) पर परीक्षण किया है।

IV परिणाम एवं विश्लेषण

कृषि कार्यों सम्बन्धी निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी के आंकलन हेतु भागीदारी की सीमा एवं भागीदारी की प्रकृति का विश्लेषण किया है।

तालिका 1 : कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं एवं पुरूषों की भागीदारी की सीमा (Extent)
N=200, F=150, M=50

गतिविधियाँ	भागीदारी की सीमा							
	बिल्कुल नहीं		केवल परामर्श लेना		राय पर विचार करना		अन्तिम निर्णय	
	M	F	M	F	M	F	M	F
1. बीज बोने का स्थान	6 (12)	51 (34)	5 (10)	48 (32)	13 (26)	43 (28.67)	26 (52)	8 (5.33)
2. बोने वाली फसलों की किस्में	6 (12)	53 (35.33)	6 (12)	48 (32)	10 (20)	43 (28.67)	28 (56)	6 (4)

Volume : 5 | Issue : 11 | November 2015 | ISSN - 2249-555X

3. उर्वरकों का प्रयोग	7 (14)	70 (46.87)	6 (12)	52 (34.67)	6 (12)	22 (14.67)	31 (62)	6 (4)
4. भूमि की खरीद एवं बिक्री	5 (10)	61 (40.67)	5 (10)	46 (30.67)	(16) (32)	40 (26.67)	24 (48)	3 (2)
5. कृषि यन्त्रों की खरीद एवं बिक्री	5 (10)	54 (36)	5 (10)	62 (41.33)	19 (38)	31 (20.67)	21 (42)	3 (2)
6. कृषि उत्पाद का भण्डारण	4 (8)	38 (25.33)	6 (12)	51 (34)	21 (42)	56 (37.33)	19 (38)	5 (5.33)
7. विपणन	5 (10)	65 (43.33)	6 (12)	55 (36.67)	12 (24)	28 (18.67)	27 (54)	2 (1.33)

नोट : कोष्ठक में दिये गये आँकड़े प्रतिशत को व्यक्त करते हैं,
M = **पुरूष,** F = **महिला।**

कृषि गतिविधियों सम्बन्धी निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी की सीमा को तालिका–1 में दर्शाया गया है। प्राप्त तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि इस सम्बन्ध में महिलाओं की स्थिति काफी निम्न स्तर की है। विभिन्न क्रियाओं में केवल 1–5: महिलाऐं ही अन्तिम निर्णय लेने में समर्थ पायी गयी। जबकि अन्तिम निर्णय लेने में समर्थ पुरूषों का प्रतिशत 38–62 तक पाया गया।

तालिका 2 : कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी की प्रकृति
N=**150**

गतिविधियाँ	निर्णय कौन करता है								
	R	H	RH	RHO	HO	O	RO	Total	RP 2+4+ 5+8
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. बीज बोने का स्थान	9 (6)	9 (6)	50 (33.33)	22 (14.67)	36 (24)	20 (13.33)	4 (2.67)	150 (99.99)	85 (56.67)
2. बोने वाली फसलों की किस्में	6 (4)	13 (8.67)	48 (32)	26 (17.33)	34 (22.67)	19 (12.67)	4 (2.67)	150 (100)	84 (56)
3. उर्वरकों का प्रयोग	5 (5.33)	28 (18.67)	36 (24)	21 (14)	35 (23.33)	21 (14)	4 (2.67)	150 (100)	66 (44)
4. भूमि की खरीद एवं बिक्री	3 (2)	25 (16.67)	40 (26.67)	33 (22)	33 (22)	12 (8)	4 (2.67)	150 (100)	80 (55.33)
5. कृ ा यन्त्रों की खरीद एवं बिक्री	2 (1.33)	25 (16.67)	42 (28)	29 (19.33)	32 (21.33)	14 (9.33)	6 (4)	150 (99.99)	79 (52.67)
6. कृ ा उत्पाद का भण्डारण	6 (4)	15 (10)	50 (33.33)	29 (19.33)	28 (18.67)	16 (10.67)	6 (4)	150 (100)	91 (60.67)
7. विपणन	4 (2.67)	28 (18.67)	28 (25.33)	21 (14)	36 (24)	18 (12)	5 (3.33)	150 (100)	68 (45.33)

नोट : कोष्ठक में दिये गये आँकड़े प्रतिशत को व्यक्त कर रहे हैं।
R = **उत्तरदाता (महिला),** RH = **उत्तरदाता एवं पति,** H = **पति,**
RHO = **उत्तरदाता पति एवं अन्य सदस्य,** HO = **पति एवं अन्य सदस्य,**
O = **अन्य सदस्य,** RO = **उत्तरदाता एवं अन्य सदस्य,** Total = **कुल,** RP = **उत्तरदाता का योगदान**

तालिका 3 : कृषि निर्णयों में ग्रामीण पुरूषों की भागीदारी की प्रकृति
N = **50**

गतिविधियाँ	निर्णय कौन करता है								
	R	W	RW	RWO	WO	O	RO	Total	RP 2+4+ 5+8
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. बीज बोने का स्थान	16 (32)	–	10 (20)	4 (8)	–	8 (16)	12 (24)	50 (100)	42 (84)
2. बोने वाली फसलों की किस्में	16 (32)	–	6 (12)	8 (16)	–	7 (14)	13 (26)	50 (100)	43 (86)
3. उर्वरकों का प्रयोग	19 (38)	–	2 (4)	6 (12)	–	8 (16)	15 (30)	50 (100)	42 (84)
4. भूमि की खरीद एवं बिक्री	11 (22)	–	7 (14)	10 (20)	–	7 (14)	15 (30)	50 (100)	43 (86)
5. कृ ा यन्त्रों की खरीद एवं बिक्री	15 (30)	–	4 (8)	13 (26)	–	5 (10)	13 (26)	50 (100)	45 (90)
6. कृ ा उत्पाद का भण्डारण	11 (22)	1 (2)	10 (20)	10 (20)	–	6 (12)	12 (24)	50 (100)	43 (86)
7. विपणन	16 (32)	–	6 (12)	8 (16)	–	6 (12)	14 (28)	50 (100)	44 (88)

Volume : 5 | Issue : 11 | November 2015 | ISSN - 2249-555X

नोट :– कोष्ठक में दिये गये आँकड़े प्रतिशत को व्यक्त कर रहे हैं।

R = उत्तरदाता (पुरूष), RW = उत्तरदाता एवं पत्नी, W = पत्नी
RWO = उत्तरदाता, पत्नी एवं सदस्य, WO = पत्नी एवं अन्य सदस्य,
O = अन्य सदस्य, RO = उत्तरदाता एवं अन्य सदस्य Total = कुल,
RP = उत्तरदाता का योगदान।

कृषि कार्यों सम्बन्धी निर्णयों में महिलाओं व पुरूषों की भागीदारी की प्रकृति का विश्लेषण तालिका 2 व 3 से स्पष्ट है कि ग्रामीण महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी (अकेले या सम्मिलित रूप से) कृषि उत्पाद के भण्डारण निर्णयों (60.67:) में पाई गई। दूसरे स्थान पर बीज बोने के स्थान निर्णयों में 56.67: महिलाओं की भूमिका देखी गई। उर्वरकों के प्रयोग निर्णयों (44:) में महिलाओं की न्यूनतम भागीदारी पाई गई। जबकि पुरूषों की सर्वाधिक भागीदारी कृषि यन्त्रों की खरीद एवं बिक्री निर्णयों (90:) में पाई गई। कृषि क्रियाओं में अकेले निर्णय लेने वाली महिलाओं का प्रतिशत बहुत ही कम पाया गया। अर्थात अकेले निर्णय एवं सम्मिलित रूप से निर्णय दोनों ही तरह से सभी क्रियाओं में पुरूषों की शक्तिशाली भूमिका रही।

कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं इसे प्रभावित करने वाले कारकों के मध्य सम्बन्ध

कृषि गतिविधियों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी की सीमा एवं प्रकृति को अनेक चर प्रभावित करते हैं। इस सम्बन्ध के मात्रात्मक माप हेतु प्रयुक्त लॉगिट मॉडल से प्राप्त परिणाम तालिका–4 में दिए गए हैं।

तालिका – 4 : कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं इसे प्रभावित करने वाले कारक (लॉगिट मॉडल)

चर	प्रतीपगमन गुणांक	प्रमाप विभ्रम	ं का परिगणित मान
अन्तःखण्ड	0.8234	0.9972	0.8257
आयु	0.0403	0.0249	1.6145
परिवार का आकार	– 0.0262	0.0447	– 0.05861
कुल पारिवारिक आय	8.3027	4.356	0.1906
भू–जोतों का आकार	– 0.0082	0.0072	– 1.1299
जाति	– 0.7535	0.4823	– 1.5626
परिवार की बनावट	– 1.0763ञ	0.4967	– 2.1666
शौक्षणिक योग्यता	– 0.2529	0.5876	– 0.4305
MC Fadden's Pseudo – R^2 = 0.126893 LR Test (7 df) = 22.1545 (P ewY; + 0.002389)			

Significant at 0.05 Level of Probability :-

कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं परिवार की बनावट (संयुक्त परिवार, D=1) चर के मध्य ऋणात्मक एवं सार्थक सम्बन्ध पाया गया। अर्थात एकल परिवारों की महिलाऐं कृषि सम्बन्धी निर्णयों में अधिक भागीदारी निभाती हैं। क्योंकि एकल परिवारों में पति निर्णय करते समय पत्नी की राय पर भी विचार करता है। अन्य स्वतन्त्र चरों के साथ यह सम्बन्ध सार्थक सिद्ध नहीं हुआ।

यदि सभी स्वतन्त्र चरों के संयुक्त प्रभाव को देखा जाए तो कृषि निर्णय–प्रक्रिया में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी एवं स्वतन्त्र चरों के मध्य सम्बन्ध 5: सार्थकता – स्तर पर सांख्यिकीय रूप से सार्थक सिद्ध हुआ। चूंकि LR test = 22.1545 है जिसका P मूल्य = 0.002389 प्राप्त हुआ है जो कि काफी कम है।

निष्कर्ष

कृषि निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी की प्रकृति सम्बन्धी तथ्यों को देखने पर अकेले या सम्मिलित रूप से भागीदारी को एक साथ लेने पर दोनों ही स्थितियों में सभी गतिविधियों में महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों की शक्तिशाली भूमिका पायी गई। विभिन्न कृषि गतिविधियों में भागीदारी की सीमा सम्बन्धी तथ्यों से ज्ञात होता है कि इस सम्बन्ध में महिलाओं की स्थिति काफी दयनीय है। विभिन्न गतिविधियों के अन्तिम निर्णयों में पुरूषों की प्रभुत्वकारी भूमिका प्राप्त हुई है।

कृषि निर्णयों में ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी (आश्रित चर) व परिवार की बनावट (स्वतन्त्र चर) चर के मध्य सार्थक सम्बन्ध प्राप्त हुआ। तथा संयुक्त रूप से आश्रित चर, सभी स्वतन्त्र चरों के साथ 5: सार्थकता स्तर पर सार्थक पाया गया।

REFERENCE Panday, Hema (2001), Understanding Farm Women, National Research Centre for Women in Agriculture, ICAR, Bhuneshwar. Punia, R.K. (1991), Women in Agriculture, Vol. 7 : Their Status and Role, Northern Book Centre, New Delhi. Kumar, Ranjana (1992), Women in Decision - Making, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., Delhi. Rudkowhiskey Marry (1987), Krishi Kshetra Mein Autre, Pools Press. Sethi, Raj Mohini (1991), Women in Agriculture, Rawat Publications, Jaipur. Verma, Shashi Kanta (1992), Women in Agriculture: A Socio - Economic Analysis, Concept Publishing Company, New Delhi. Agarwal, Kamlesh (1999), "Gramin Arthvyastha Mein Mahillaaon Ki Bhagidari", Kurukshetra, September. Alagumani (1999), "A Study in Decision Behaviour of Rural Women in Madurai District, Tamil Nadu", Indian J. Agri, Eco. 54 (3), 300. Azad, M.P., Parshadm, M., Yadav, R. and Bhatiya, S.S. (1985), "Extent of Participation of Women in Agriculture and Allied Enterprises", Indian Journal of Agricultural Economics, 40 (3) : 275. Bala, B. Moorti and Sharma, R.K. (1993), "Participation of Rural Women in Decision Making", Indian Journal of Ext. Edu, 24 (3-4) : 40 - 60. Bhaumik, Utpal, Sen, Mira and Chatterjee, J.G. (1996), "Participation of Rural Women in Decision Making", Indian Journal of Ext. Edu., Vol, 32, Nos. 1 to 4. Charulata, S.K. Verma and Jain, Vinita (1993), "Decision Making Pattern in Farm Families", Indian Journal of Social Research, 34 (3) 205-208. Chaudhary, M.D. and Ganorke, P.C. (1992), "Innvolving Farm Women in Agricultural Activities", Kurukshetra, Vol. 13 (5), 25-27. Dhillon, G. (1980), "Rural Women in Decision - Making Action", Kurukshetra 28 (9) : 19-21. Jha, Sujata (1991), "Krishi Jagat Mein Mahillaaon Ki Badalti Bhumika", Gramin Vikas Newsletter, Khand-7, Ank 8-9, August - September. Kishor Raj, Gupta, Bhawana, Yadav, S.R. and Singh, T.R. (1999), "Role of Rural Women in Decision Making Process in Agriculture in District Sitapur (Uttarpradesh)", Indian Journal of Agricultural Economics, Vol. 54, No. 3, July-Sept. Montios, V.H. (1989), "Women in Agriculture", Indian Farming, Vol. 25 (3) : 6. Mukhopadhaya, et al (1989), "Role Performance of Farm Women in Agricultural Operation", Indian Journal of Ext. Edu., 21 (3-4), 91-94. Sandangi, B.N., Mishra, B. and Patel, J.B. (1996), "Socio - Personal Dimensions of Participation of Women in Farm Activities", Indian J. Ext. Edu., Vol. - 32, Nos. 1 to 4. Saikia, Anuva (1999), "Role of Farm Women in Agriculture and their Involvement in Decision Making : A Study in Jorhat Distt. of Assam", Indian, J. Agri - Eco., 54 (3) : 301 - 302. Singh, A.K. and Gaira, P.S. (1999), "Female Work Participation and Involvement in Decision - Making Process : A Study in Uttrakhand, Indian J. Agri. Eco. 54 (3) : 300 – 301. Tiwari, P. (1999), "Involvement of Female in Decision - Making Process in Rural Sector of Parts of Thar Desert", Indian Journal of Adult Edu., Vol. 60, No. 2, PP. 48-52. Widge, M.K. (1995), "Women in Agriculture", Yojana, Vol. 39 (11), September, PP. 21-23.